



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 308]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 22, 1992/ज्येष्ठ 1, 1914

No. 308]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 22, 1992/JYAISTHA 1, 1914

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या की आसी है जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जन-भूत परिवहन मंत्रालय
(परिवहन पक्ष)

आदेश
नई दिल्ली, 22 मई, 1992

का. आ. 354(अ)।— केंद्रीय सरकार की यह राय है कि नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट प्रकार के यान को उक्त सारणी के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट क्षेत्र में यान के गुरुत्व वजन अर्थात् निरापद अधिकतम, लदान सहित वजन और प्रत्येक घुरी के निरापद अधिकतम धुरी वजन के लिए, जो मोटर यान अधिनियम 1988 (1988 का 59) की धारा 58 की उपधारा (1) के अधीन इस भवालय की अधिमूलता सं. 416 (अ) तारीख 8-6-1989 में विनिर्दिष्ट है, अनुज्ञा दे सकेंगी।

अतः अब, वेंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 58 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निवेश देती है कि उक्त सारणी के नीचे विनिर्दिष्ट उपांतरणों / शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपधारा (3) के उपर्युक्त उक्त प्रकार के यान को लागू होगे।

तालिका

वाहन का प्रकार	प्रचलित क्षेत्र स्ट	सकल वाहन भार	पंजीकृत एक्सल भार	परिमाण
कोअल्स हाईड्रा क्रेन 25/28टन	दिनांक 24, 3 के जी ओ.स. 32, 475टन	पंद्र एक्स भार	कुल लम्बाई	
सहित तैयार किया गया	1270 होम टी आर वी.	7, 599टन	9, 85 एम	
एच.एम. बी.एलटफार्म	के अनुसार मेट्रिक और वलपराई के बीच सबसे छोटा	अधिकतम एकल एक्सल लौड	कुल चौड़ाई 2, 50एम	
	स्ट	12, 438 टन	कुल ऊंचाई 3, 63एम	
			ओवर लैंगथ्रम	
			अगला 2.57 एम	
			पिछला 1.99 एम	

इस अधिसूचना द्वारा वाहन धर्ती के बजन में दी गई छूट कंपन पंजीकरण माल के नियम हैं। इपका यह अर्थ नहीं कि ट्रासपोर्टर इन वाहनों को मुक्त स्पष्ट से सड़क के किसी भी खेड़ पर ले जा सकता है। प्रत्येक वाहन के वाहनिक प्रयोग से पहले, ट्रासपोर्टरों द्वारा संबंधित रुद्धि पर भारी माल के आवागमन का लिए गुरुत्वादात्मक व्यवस्था यात्रियों/लोक निर्माण विभागों और संबंधित अधिकारियों द्वारा विशिष्ट स्टॉप परमिट प्राप्त करने होंगे और उसमें यात्रियों अनुकार यात्रा रुद्धि के विश्वास संर्वेक्षण के आवार पर सड़क मार्ग और उस पर बने भवनों के मामले में पर्याप्त सुरक्षा उत्तम देते होंगे। परिवहन प्रबलता और संबंधित राज्य के सोग निर्माण विभाग द्वारा सामृद्धिक स्तर से स्थिति का संर्वेक्षण किया जाएगा। राज्यीय यात्रागांी के मामले में इप मंत्रालय के सड़क के पक्ष का सहयोग अनिवार्य होगा। विकल्प के स्तर में यह कार्य एक परामर्शक के माध्यम से भी कराया जा सकता है जो ट्रासपोर्टर और स्थानीय विभाग के माथ यह कार्य करेगा।

निम्नलिखित शर्तों का भी अनुपालन अरेक्षित है :—

(i) प्रस्तावित मार्गों की पहने ही स्पेशलिस्ट/रेटिंग मर्केटिंग कराने और यात्रा मार्गों के प्रतिमन प्राप्त होने के बारे में संबंधित राज्य एजेंसियों की संतुष्टि के बाद ट्रांसपोर्टरों द्वारा उनमें परिस्थित प्राप्ति फिर वैर फिरी भी बाहर का आवागमन नहीं होना।

(ii) स्थिति संबंधी के आधार पर यात्रा मार्ग पर कमज़ोर इमारतों, पुलों, पुनियों हथाधि का पता लगाया जाएगा जिनसे इमारत की सुरक्षा को खतरा हो अथवा अधिक भार/लदे हुए माल के अधिक बढ़े आकार, जिसने यात्रायात के निवारण अवागमन पर प्रतिकूल प्रभाव न पहुँचे। इन आवागमनों को अनुपत्ति के पहले ट्रांसगोर्डरों द्वारा आगे लगा पर उपर्युक्त सर्वेश्वर के बौराज पाई गई कमियों को दूर करने के लिए अनिवार्य सुधार सुरक्षात्मक उपाय करते होंगे। इप संबंध में अन्यों के अतिरिक्त कुछ संभावित सुरक्षा उपचारात्मक उपाय हैं। सुवृद्धीकरण करना टेक लगाना, कमज़ोर पुलों, पुनियों का पुनर्निर्माण, कमज़ोर स्ट्रक्चर पर बाहर चलने की अनुमति की बजाए बेडलेबल डाइवर्शन प्रदात करना, कनेक्टर पेंडेंट को मुदृश करना, ऐसे बाहरों की गति को सीमित करना, बाहर के प्रवालन को केशल दिन अथवा शुक्र मासम के द्वारा बर्ताव देना, गत्रि दश्यता के प्रयोजन से ऐसे आवागमन के लिए गार्ड बाहर नियन्त्र करना इत्यादि।

(3) सार्वजनिक लोक निर्माण/स्थानीय प्राधिकरण द्वारा विभिन्न नड़ों पर निर्बारीर वज्र संशेषी पांवडी का अवत किया जाएगा और मछक पर वाहन चतुर्से मे पहले इस प्रकार की स्थानीय अधिकारियों की हजाजन ले ली जाएगी।

(4) अपनी क्षमता से अधिक वज़ा में लड़े वाहनों को पुलों और अव्य कात डेनेज स्ट्रक्चरों पर गुज़ारने को अनुमति नदों दी जाएगी और नदी/नाला या "बैड-लेवल डाइर्वर्शन" इत्यादि से गुजरने के लिए ट्रांसपोर्टर अवता स्ट्रा प्रबंध करेगा। जैसा कि सा. न.वि. /स्थानीय अधिकारियों द्वारा निर्वेश दिया जाता है।

(5) इन भारी वाहनों के आवागमन से सड़क अव्यवस्था मुड़क के ढांचे को हुई किसी प्रकार की प्रत्यक्ष अव्यवस्था घटनाकाल हानि के लिए राज्य लोक निर्माण विभाग द्वारा किए गए कानूनों के अनुसार वाहन मालिक पूर्ण रूप से जिमीदार होगा।

(6) मांग पूर्व निर्धारित किया जाएगा और इन भारी वाहनों के आवागमनों हेतु प्रत्येक बार राज्य लोक निर्माण विषय स्थानीय निकायों के कार्यकारी अभियंता से पूर्व उम्मजस लेनी होगी।

(7) उमत यान के पारगमन के द्वीरान घाहन अथवा उसमें लड़ी हुई वज्रों को हात नुकसान के नियंत्रण सरकार/सौकर्ण नियमण विभाग बिम्बेवार नहीं होगा।

(8) इन सभी वाहनों को आवागमन की अनुमति प्रदान करने का अर्थ यह नहीं होगा कि राज्य के लोक तिमाहि विषय/स्थानीय निकायों के अधिकारी परिस्थितियों की श्रावशक्ता के घटुसार महक तथा उसके ढांचे की श्रावशक्ता के घटुसार वाहनों के आवागमन को नियंत्रित/रोक नहीं सकते।

(9) उक्त यान के छोरों को स्पष्ट और उर्ध्वकृत स्वयं में दर्शन के लिए उस पर अवश्यक चेतावनी सूचक जैसे दिन के समय लाल लाली लगाना और रात के समय लाल बत्ती का प्रयोग किया जाएगा।

(10) उक्त यान सामान्य स्प में चलने वाले यात्रियों को बिना कोई वाधा प्रदाएं चलेगा।

(11) इन विशेष ट्रिपों के लिए वाहन की गति 10 कि. मी./घटा से अधिक नहीं होगी।

(12) इन भारी बाहरों के लिए पेशेवरों की उपयुक्तता और विशेषकर इमरणों वाले लोगों में पोइ पर पुढ़ा की अवश्यकता, सड़क की पर्याप्त चौड़ाई, सीधे आवागमन के लिए पर्याप्त सर्ग, ड्रायादि के बारे में आदि कार्ड की हो तो उपर का राज्य लोक निर्माण विभाग के प्रतिनिधियों, परिवोजन अधिकारियों तथा बाहर चलने वाले सर्वत्रग के माध्यम में पता लगाना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि इन बाहरों को सबसे लंबाई, चौड़ाई, ऊँचाई और लक्षण प्राप्त करना होता है। सड़क नेटवर्क के साथ-साथ यत्का सर्ग पर किसी भी सुविधार की यदि आवश्यकता हुई तो वह ट्रांसोर्टर द्वारा इस प्रकार के आवागमन की मुश्किल से पहले अपनी लागत पर करना पड़ेगा।

(13) यदि गुजरात राज्य से बाहर वाहन का प्रयोग करना है तो इस प्रकार के प्रचलन के लिए संबंधित राज्य के के. लोक नियम/स्थानीय निकायों गंपूर्व मंजुरी लेनी होगी जो उन गर्भों के अध्यवृत्त होती जैसी कि जो राज्य सरकार स्थानीय निकायों द्वारा सभी अड़क प्रयोगनाओं की उपयुक्तता की ध्यान में रखी छुट्टी, मड़कों, पुरानों, पुलियों को सुरक्षा के लिए नियम की जाए, और जिनके बारे में हरेक बारे प्रचलन शुरू करने से पहले प्रबालक द्वारा राज्य के लोक नियमित विभाग/स्थानीय निकाय और पुलिम अधिकारियों को यथा आक्षित सूचित किया जाएगा।

(14) उक्त वाहन में उपर्युक्त तालिका के खंड 3 और 4 में विनियोग वजन में उपर्युक्त सामान नहीं लाइजेंस दिया जाएगा।

(15) रेलवे के किसी फाटक, अथवा किसी ओवर-श्रिंज, अड़क-श्रिंज को पार करने के लिए रेल प्रशासन से अनुमति दिया जाएगा।

(16) किसी सड़क के ढांचे/पुल/पुलिया/क्रासवे पर वाहन चलने समय यह सुनिश्चित करना होगा कि वाहन धीरों गति से चले तथा इसका कोई प्रभाव न पड़े तथा श्रेक नहीं लगाए जाएं और उस सरार उस ढांचे पर कोई वाहन न हो।

[सं.-आरटी-11042/5/92एम.बी.एस.]

जा. के. पिंजे, मंत्रीका सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Transport Wing)

ORDER

New Delhi, the 22nd May, 1992

S.O. 354(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that heavier weight than the maximum safe laden weight and the maximum safe axle weight of each axle of the vehicle as specified in this Ministry's notification No. S.O. 416(E), dated 8-6-89 issued under sub-section (i) of Section 58 of the Motor Vehicle Act, 1988 (59 of 1938) may be permitted for the vehicle of the type specified in column (1) of the table given below in the locality specified in column (2) of the said table.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by the provision to sub-section (3) of Section 58 of the said Act, the Central Govt. hereby directs that the provisions of the said sub-section (1) shall apply to the said type of vehicle subject to the modifications/conditions specified hereunder below the said table:—

TABLE

Type of vehicle	Locality of operation (route)	Gross vehicle weight	Registered axle weight	Dimensions
1	2	3	4	5
HMV Platform mounted with Coles Hydra Crane 25/28 tonnes.	Shortest route between Mettur and Valparai specified as per G.O.No. 1270 Home Tr. V. dt 24/3	32.475 Tonnes	Front Axle load 7.599 tonnes Maximum Single axle load 12.438 tonnes	Overall length 9.85 m Overall width 2.50m Overall Height 6.63m Over-hangs (a) front 2.57m (b) Rear 1.99m

3. Relaxation of vehicle/axle loads being accorded through this notification is only for registration purposes. This is not meant as general permission for the transporter to freely move these vehicles along any road section. Before actual use of these vehicles, in each case, specific route permits for movement of the respective have consignments along the concerned route(s) will have to be obtained by the transporter from the Gujarat and the other State Govts./PWDs and concerned Local Authorities duly incorporating therein adequate safety precautions in respect of the roadway and structures thereon, based

on detailed condition survey of the travel routes. The condition survey will be jointly done by the transport operator and the respective State PWD(s). Where it involves National Highways, association of the Roads Wing of this Ministry would be necessary.

Alternatively, the condition survey could be got done through a Consultant working closely with the transporter and the PWD. The conditions set-forth as under will also require to be complied with:

- (i) No movement of the vehicle will take place without prior condition/rating survey of the proposed route and a permit being obtained

by the transporter from the respective State Govt. agencies after satisfying the traffic-worthiness of the travel route(s);

(ii) Based on the condition survey, all deficiencies of weak structures, bridges, culverts, etc. along the travel route which may jeopardise the safety or structures or over-weight/over-dimensioned consignments, besides affecting the smooth flow of traffic will be identified. Necessary improvement/precautionary measures in the light of the deficiency survey will be undertaken at the cost of transporter before such movements are permitted. In this context, some of the possible safety/corrective measures, amongst others, needing consideration could be strengthening/propping-up/reconstruction of weak bridges and culverts, providing bed level diversions instead of permitting movement over weak structure, strengthening weak pavements, control of travel speed of such vehicles, limiting the movement to day time or only during dry weather, regulation of such movements by guide vehicles for purposes of night visibility, etc.

(iii) Load restrictions on various roads stipulated by the Public Works Department/Local Authorities will be observed as necessary and permission of such Authorities will be obtained before the vehicles are put on the roads;

(iv) The loaded vehicle will not be allowed to pass over bridges and other cross-drainage structures on the roads beyond their capacity and the transporter will have to make his own arrangements to cross the river/nallahs through bed-level diversions etc. as directed by the PWD/Local Authorities;

(v) Cost of repairs of any damage to the road and road structures either directly or indirectly due to the movement of these heavy vehicles, shall be borne wholly by the transporters as per the assessment by the State PWD;

(vi) The route to be followed shall be pre-determined and advance permission shall be obtained from the concerned Executive Engineer of the State PWD/Local Bodies regarding each movement of these heavy vehicles;

(vii) The Central Government/State Govt./PWD shall not be responsible for any damage that may be sustained either by the said combination of vehicles or their contents consequent during the transit;

(viii) The grant of this permission to the movement of these vehicles does not prevent the local officers of the State PWD/Local bodies from regulating or stopping movement of these vehicles depending upon the exigencies of the situating and having regard to the condition of the road and road structures.

(ix) All the necessary warning signals such as red flags in the day time and red light in the night time shall be provided to indicate the extremities of the vehicle clearly.

(x) The said vehicles shall be moved without any hindrance to the normal flow of traffic.

(xi) For such special trips, the speed shall not exceed 10 Kms/hour.

(xii) The fitness of pavement for the movement of this heavy vehicles as well as the feasibility of negotiating the curves especially in built up areas, sufficiency of road width, sufficiency of vertical clearance should be decided upon, prior to the movement of these heavy vehicles, through route survey by the representatives of the State PWD, project authorities and the vehicle operators so as to identify deficiencies if any. This is because the overall length, breadth, height and loading of these vehicles are abnormal. Any needed improvement of the road network along the travel route will have to be got done by the transporter undertaking such movements at his own cost.

(xiii) In case the vehicle is to be used outside the State of Gujarat, such an operation will be with the prior approval of the concerned State PWD/Local Bodies and subject to such conditions as the State Govt./Local Bodies may specify for the safety of structures, roads, bridges, road-users, culverts and with due regard to safety to all road users, for which the State PWD/Local Bodies and the Police authorities will be kept duly informed by the operator, every time the operations are effected.

(xiv) The weights specified in columns No. 3&4 in the Table given above shall not be increased in the said vehicle;

(xv) Separate prior permission from the Railway Administration shall be obtained before crossing any level crossing or any over-bridge/under-bridge of the railway.

(xvi) Vehicle moving on any road-structure/bridge/culvert/causeway, it shall be ensured that the said vehicle move at crawling speed without causing any impact and without applying brakes and while no other vehicle is on that structure.

[No. RT-11042/5/92-MVL]

G. K. PILLAI, Jr. Secy.